

कहा था कि अमेरिका तिब्बती लोगों के मौलिक अधिकारों का समर्थन करता है।

- ध्यातव्य है कि इसी वर्ष मई माह में अमेरिका ने चीन से तिब्बती बौद्ध धर्म के 11वें 'पंचेन लामा' (Panchen Lama) को छोड़ने का आग्रह किया था, जिन्हें चीनी अधिकारियों द्वारा वर्ष 1995 में मात्र 6 वर्ष की उम्र में कैद कर लिया गया था।

चीन-तिब्बत विवाद

- चीन-तिब्बत संघर्ष को अक्सर एक जातीय और धार्मिक संघर्ष के रूप में देखा जाता है। वभिन्नि विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐतिहासिक रूप से तिब्बत की स्वतंत्रता को लेकर अलग-अलग विचार चीन-तिब्बत संघर्ष का प्रमुख कारण है।
- जहाँ एक ओर तिब्बत के लोग मानते हैं कि बीती कई शताब्दियों में तिब्बत एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित रहा है, वहीं चीन का मानना है कि तिब्बत लगभग 18वीं शताब्दी में चीन के आधिपत्य में आया और 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में तब तक चीनी प्रशासन के अधीन रहा, जब तक ब्रिटन ने तिब्बत पर आक्रमण नहीं कर दिया।
- गौरतलब है कि वर्ष 1912 से लेकर वर्ष 1949 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना तक किसी भी चीनी सरकार ने तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (Tibet Autonomous Region-TAR) पर नियंत्रण नहीं किया था।
- वर्ष 1950 में नवगठित पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (PRC) ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए अपनी सीमाओं पुनः स्थापित करने के प्रयास शुरू किये।
- वर्ष 1951 में तिब्बत सरकार को औपचारिक रूप से तिब्बत को चीन के हिस्से के रूप में मान्यता देने वाले 17-बिंदु समझौते (Seventeen Point Agreement) पर हस्ताक्षर करने के लिये मजबूर किया गया और चीन ने इस क्षेत्र पर अपनी सत्ता स्थापित कर दी।
 - तिब्बती लोग तथा अन्य टिप्पणीकार चीन द्वारा किये गए इस कृत्य को 'सांस्कृतिक नरसंहार' के रूप में वर्णित करते हैं।
- तिब्बतवासियों ने मार्च 1959 में चीन सरकार को उखाड़ फेंकने का प्रयास किया, कति वे इस कार्य में असफल रहे।
- चीन ने 1959 में हुए तिब्बती विद्रोह को कुचल दिया, जसिने आध्यात्मिक नेता, दलाई लामा और 80,000 से अधिक तिब्बतियों को भारत और अन्य देशों में नरिवासित होना पड़ा।
 - एक अनुमान के अनुसार, मार्च 1959 में तिब्बती विद्रोह के दौरान चीन की सेना ने 10 हजार से भी अधिक लोगों को बुरी तरह से मार दिया था।

विद्रोह का परिणाम

- वर्ष 1959 में हुए तिब्बती विद्रोह के पश्चात् चीन की सरकार तिब्बत पर अपनी पकड़ मज़बूत करती गई और तिब्बत में आज भी भाषण, धर्म या प्रेस की स्वतंत्रता नहीं है, इस क्षेत्र में अभी भी चीन की मनमानी जारी है।
- वर्तमान में भी तिब्बत को समय-समय पर अशांति का सामना करना पड़ता है।

तिब्बत

- तिब्बत चीन के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है और भारत, नेपाल, म्याँमार (बर्मा) तथा भूटान के साथ अपनी सीमा साझा करता है।
- तिब्बत एशिया में तिब्बती पठार पर स्थित एक क्षेत्र है, जो लगभग 24 लाख वर्ग किमी. में फैला हुआ है और यह चीन के क्षेत्रफल का लगभग एक-चौथाई है।



स्रोत: द हट्टि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/u-s-china-trade-visa-curbs-over-tibet>

